एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 101
प्रश्न पत्र – I वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम **अंक 75**

1. ऋग्वैदिक एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)

2. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)

3. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

4. संहिता पाठ से पद पाठ

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्न लिखित है –

पाठ्यक्रम का विस्तृत विरवरण

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक
इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्प रहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयो से समान रूप से सम्बद्ध होंगे ।

पाठ्यक्रम की इकाईयॉ –

प्रथम इकाई – ऋग्वेद एवं अथर्ववेदीय संहिताओं के निम्नलिखित सूक्त – अग्नि (1/1) , रुद्र (2/33) अथर्वेदीय , पृथ्वी (12/1) , पुरुष (10/90) सवितृ (1/35)
द्वितीय इकाई – ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त – नासदीय (10/129) , उषस् (1/48) वरुण (7/86) , सोम (8/48) , शुल्क यजुर्वेदीय शिवसंकल्प (अ– 34)(1–6)
तृतीय इकाई – निरूक्त (यास्क) – प्रथम अध्याय
चतुर्थ इकाई – वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
पंचम इकाई – संहिता पाठ से पदपाठ

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग) 35 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 –7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाग निम्न प्रकार से होगा –
(क) ऋग्वेद एवं अथर्ववेद सूक्तों मे से किसी **एक** मन्त्र की **सप्रसंग व्याख्या** विकल्प के साथ पूछी जाएगी । **7 अंक**
(ख) ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी **एक** मन्त्र की **सप्रसंग संस्कृत** भाषा मे व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) निरुक्त के (प्रथम अध्याय) से दो अंशो की सामान्य व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी । **7 अंक**
(ध) वैदिक साहित्य पर आधारित सामान्य व परिचयात्मक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ड.) पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ पूछा जायेगा ।

7 अंक

तृतीय खण्ड – (निबन्धात्मक भाग) 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15 –15 अंक निर्धारित हैं ।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार होंगें । **15 अंक**

1. ऋग्वेद का रचनाकाल, ऋग्वेद के पाठ्यक्रम मे निर्धारित सूक्तो के देवताओं का चरित्र (स्वरूप

   ऋग्वेद का धर्म और दर्शन तथा ऋग्वेद की भाषा की सामान्य विशेषताएँ ।

2. द्वितीय प्रश्न :– निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा । **15 अंक**

निरुक्त का सामान्य परिचय , निरुक्त में निर्वचन से सम्बन्धित कोई तीन शब्द विकल्प सहित पूछे जायेगें ।

वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ।

सहायक पुस्तके :–

1. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. आर . चानना
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स – एस.के. तैंलग एव ंबी.बी.चौबे
3. वैदिक व्याकरण – ए.ए.मैक्डानल अनु 0 डा. सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग – 1,2 – डॉ. राम गोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति – पं. बलदेब उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा – एस.एन.पाण्डेय एवं आर.बी.जोशी
7. वैदिक देवशास्त्र – ए.ए. मेक्डालन –अनु 0 सूर्यकान्त
8. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी
9. लेक्चर्य ऑन द ऋग्वेद – घाटे

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 102
प्रश्न पत्र – II सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1.सांख्यकारिका ईश्वरकृष्णकृत
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो तथा पाँच प्रश्नपत्र इकाइयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम इकाई – सांख्यकारिका की 1 से 16कारिकाएँ
द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ
तृतीय इकाई – सांख्यकारिका की 36 से 53 कारिकाएँ
चतुर्थ इकाई – सांख्यकारिका की 54 से 72 कारिकाएँ
पंचम इकाई – ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा सांख्यदर्शन का सामान्य परिचय , प्रतिपाद्य एवं महत्त्व

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) सांख्यकारिका की 1 से 16कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिका में से किसी एक कारिका की सप्रसंग **व्याख्या** विकल्प के साथ पूछी जायेगी **7 अंक**
(ग) सांख्यकारिका की 36 से 53 कारिका में से किसी एक कारिका की सप्रसंग **व्याख्या** विकल्प के साथ पूछी जायेगी **7 अंक**
(घ) सांख्यकारिका की 54 से 72 कारिका में से किसी एक कारिका की सप्रसंग **संस्कृत व्याख्या** विकल्प के साथ पूछी जायेगी **7 अंक**
(ड.) सांख्य दर्शन परिचय एवं कारिकाकार के व्यक्तित्व –कृतित्व सम्बन्धी एक प्रश्न विकल्प सहित पूछाजायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड **(निबन्धात्मक भाग)**

30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

उक्त खण्ड के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
सांख्य दर्शन परिचय एवं प्रतिपाद्य, त्रिविध दुःख , त्रिविध प्रमाण , प्रत्यक्ष के बाधक , सत्कार्यवाद ,सृष्टि –प्रक्रिया , व्यक्त , अव्यक्त व ज्ञ का स्वरूप , त्रिगुण विवेचन , प्रकृति स्वरूप व सिद्धि , पुरूष की सिद्धि , पुरूष बहुत्व की सिद्धि ,ईश्वरकृष्ण व्यक्तित्व एवं कृतित्व **15 अंक**

सहायक पुस्तके :–

(1) सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण

(2) सांख्यकारिका – व्या. डॉ 0 आद्याप्रसाद मिश्र

(3) सांख्यकारिका – व्या. डॉ 0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी

(4) सांख्यकारिका – व्या. 0 गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर

(5) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय

(6) भारतीय दर्शन – दत्ता एण्ड चटर्जी

(7) भारतीय दर्शन – डॉ 0 उमेश मिश्र

(8) भारतीय दर्शन – डॉ 0 पारसनाथ द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 103
प्रश्न पत्र – III वेदान्त –दर्शन

पाठ्यक्रम –

(1) वेदान्तसार (सदानन्द) **75 अंक**

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

द्वितीय खण्ड

प्रथम इकाई – अखण्डं सच्चिदानन्द से सल्लक्ष्यमिति चोच्यते तक ।
द्वितीय इकाई – अस्याज्ञानस्यावरण विक्षेप नामकं शक्ति द्वयम् से लेकर अध्यारोपः तक ।
तृतीय इकाई – अपवादो नाम से स्वप्रभया तदपि भासयतीति इति ।
चतुर्थ इकाई – एवं भूतस्वरूप चैतन्य साक्षात्कार पर्यन्त से अन्त तक ।
पंचम इकाई – सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा वेदान्तसार का परिचय एवं महत्त्व ।

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है । **35 अंक**

(क) अखण्डं सच्चिदानन्द से सल्लक्ष्यमिति चोच्यते तक मे से दो अंश देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ख) अस्याज्ञानस्यावरण विक्षेप नामकं शक्ति द्वयम् से लेकर अध्यारोपः तक में से दो अंश देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

(ग) अपवादो नाम से स्वप्रभया तदपि भासयतीति इति मे से दो अंश देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

(घ) एवं भूतस्वरूप चैतन्य साक्षातकार पर्यन्त से अन्त तक मे से दो अंश देकर एक का उत्तर संस्कृत में पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ड.) सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा वेदान्तसार का परिचय एवं महत्त्व मे से दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम व द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
अनुबन्ध चतुष्टम , अज्ञान का स्वरूप, अज्ञान के भेद(समष्टि एवं व्यष्टि अज्ञान),अज्ञान की शक्तियाँ ,सूक्ष्म शरीर एवं स्थूल शरीर निरूपण ,पंचीकरण, आत्मा में आरोपित विभिन्न मत एवं उनका खण्डन

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
अपवाद निरूपण, तत्तवमसि ,अहं ब्रह्मास्मि समाधि के भेद एवं प्रभेद , मुक्ति

सहायक पुस्तके :–
(1) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 बद्रीनाथ शुक्ल
(2) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 सत्यनारायण श्रीवास्तव
(3) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 राममूर्ति शर्मा
(4) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0दयानन्द भार्गव

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 104
प्रश्न पत्र – IV , नाटक एवं नाट्य –शास्त्र

पाठ्यक्रम

75 अंक

1. मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त
2. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) –भरतमुनि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयो मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्न लिखित है –

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्प रहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानरुप से पूछे जायेगे ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई – मुद्राराक्षसम् नाटक – प्रथम,द्वितीय,तथा तृतीय अंक ।
द्वितीय इकाई – मुद्राराक्षसम् नाटक – चतुर्थ से सप्तम अंक तक ।
तृतीय इकाई – मुद्राराक्षसम् पर आधारित प्रश्न
चतुर्थ इकाई – नाट्य शास्त्र (अध्याय 1)
पंचम इकाई – नाट्य शास्त्र (अध्याय 2)

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) 35 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्याएँ) शत–प्रतिशत विकल्पो के साथ पूछे जायेग । इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दो में देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 –7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) मुद्राराक्षसम् के प्रथम एवं द्वितीय अंक मे से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) मुद्राराक्षसम् के तृतीय,चतुर्थ ,पंचम अंक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) मुद्राराक्षसम् पर आधारित विकल्प सहित एक प्रश्न–चाणक्य, चन्द्रगुप्त,राक्षस का चरित्र चित्रण , मुद्राराक्षसम् का कथानक, किसी अंक का वैशिष्ट्य, मुद्राराक्षसम् नाटक के नामकरण की सार्थकता । **7 अंक**

(ध) नाट्यशास्त्र के प्रथम अध्याय की कारिकाओं मे से किसी एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ड.) नाट्यशास्त्र के द्वितीय अध्याय की कारिकाओं मे से किसी एक कारिका की **संस्कृत व्याख्या** विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पो के साथ) पूछे जायेगे इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होगे – **15 अंक**

विशााखदत्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, मुद्राराक्षसम् की नाटकीय विशेषताएं , विशाखदत्त का नाट्य–कौशल, कथावस्तु योजना की दृष्टि से मुद्राराक्षस नाटक का समीक्षात्मक मूल्यांकन मुद्राराक्षसम् में वर्णित राजनीति /कूटनीति

(2) द्वितीय प्रश्न –निम्नलिखित बिन्दुओं मे से किसी एक पर आधारित होगा – **15 अंक**
नाट्यशास्त्र मे विवेचित नाट्योत्पत्ति , प्रेक्षागृह मत्तवारणी , नाट्य –प्रयोजन , रंगशीर्ष , नाट्यवृत्तियाँ , अध्यायों का सार ।

सहायक पुस्तकें –

(1) नाट्यशास्त्र – सम्पा . एवं व्याख्या – श्री बाबू लाल शुक्ल काशी हिन्दू वि. वि. वाराणासी
(2) भरत और भारतीय नाट्यकला – डॉ .अयोध्याप्रसाद सिंह
(3) मुद्राराक्षसम् – विशाखदत्त
(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ . बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर I(संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 105
प्रश्न पत्र – V , व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी (तद्धित प्रकरण –शैषिक पर्यन्त)
2. कारक प्रकरण (सिद्धान्त–कौमुदी का)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो तथा पाँच इकाईयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्न लिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाईयॉ –

प्रथम इकाई – इसके अन्तर्गत निम्न लिखित प्रत्ययों का अध्ययन आवश्यक है –
साधारण तद्धित प्रत्यय, अपत्यार्थ तद्धित प्रत्यय, रक्ताऽऽद्यर्थक तद्धित प्रत्यय,।
द्वितीय इकाई – चातुरार्थिक तद्धित प्रत्यय और शैषिक तद्धित प्रत्यय
तृतीय इकाई – प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी पर्यन्त
चतुर्थ इकाई – पंचमी विभक्ति से सप्तमी पर्यन्त
पंचम इकाई – हिन्दी से संस्कृत मे अनुवाद

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**
इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्प रहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयो से समानरूप से सम्बद्ध होंगे ।

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाग निम्न प्रकार होगा –

(क) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी –प्रारम्भ से रक्ताऽऽद्यर्थक पर्यन्त) से चार शब्द देकर सूत्र निर्देश पूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी । **7 अंक**

(ख) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी –चातुरर्थिक से शैषिक पर्यन्त) से **चार** शब्द देकर सूत्र निर्देश पूर्वक **दो** की सिद्धि पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी –प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति तक) से चार सूत्र अथवा वार्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी । **7 अंक**

(ध) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी –पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त)से चार सूत्र अथवा वार्तिक देकर दो सूत्रो की व्याख्या पूछी जाएगी । **7 अंक**

(ड.) हिन्दी भाषा मे विकल्पसहित एक (लगभग सात वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा मे अनुवाद करने के लिये दिया जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड – (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे । इनमे से प्रत्येक प्रश्न 15 –15 अंक वाले है ।

(1.) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई **पाँच** विकल्प सहित पूछी जायेगी **15 अंक**

(2.) कारक सूत्रों अथवा वार्तिकों की व्याख्या कोई **पाँच** विकल्प सहित पूछी जायेगी **15 अंक**

सहायक पुस्तके :–

1. कारक –प्रकरण – व्याख्या श्री धरानन्द शास्त्री
2. कारक प्रबोध – डॉ .शक्ति कुमार शर्मा
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री
5. संस्कृत व्याकरण – अर्कनाथ चौधरी
6. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – कपिल देव द्विवेदी
7. वृहद्नुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस
8. सिद्धान्त कौमुदी – द्वितीय भाग , पं. बालकृष्ण व्यास

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या 201
प्रश्न पत्र – I उपनिषद् साहित्य

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1.वृहदारण्यकोपनिषद् – तृतीय अध्याय मात्र

2.ईशावास्योपनिषद् – सम्पूर्ण

3.उपनिषदों का प्रतिपाद्य – इसके अन्तर्गत उपनिषदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के प्रथम चार ब्राह्मण
द्वितीय इकाई – वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के पाँचवे से नवम् ब्राह्मण पर्यन्त
तृतीय इकाई – ईशावास्योपनिषद् , प्रथम से दश मन्त्र
चतुर्थ इकाई – ईशावास्योपनिषद् ग्यारह से समाप्ति पर्यन्त
पंचम इकाई – उपनिषदों के प्रतिपाद्य का समान्य परिचय एवं महत्त्व

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें :–

द्वितीय खण्ड ' ब ' (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) वृहदारण्यकोनिषद् के तृतीय अध्याय के प्रथम चार ब्राह्मणों में से एक व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) वृहदारण्यकोनिषद् के तृतीय अध्याय के पाँच से नवम ब्राहमणों के सम्वादों से सम्बन्ध एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायगा । **7अंक**

(ग) ईशावास्योपनिषद् के प्रथम दश मन्त्रों में से एक मन्त्र की विकल्प सहित सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(घ) ईशावास्योपनिषद् के 11 से 18 मन्त्रों में से विकल्प सहित एक मन्त्र की **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी **7 अंक**

(ड.) उपनिषदों के प्रतिपाद्य का सामान्य परिचय विषयक एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
उक्त खण्ड के अन्तर्गत वृहदारण्यकोनिषद् के तृतीय अध्याय के निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बद्ध विषयों पर आधारित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
उक्त खण्ड के अन्तर्गत ईशावास्योपनिषद् की विषयवस्तु से सम्बन्धित विकल्प सहित एक प्रश्न पूछा जायेगा ।

सहायक पुस्तके :–

(1) वृहदारण्यकोनिषद् – गीतप्रेस गोरखपुर
(2) ईशावास्योपनिषद् – गीतप्रेस गोरखपुर
(3) भारतीय दर्शन –उमेश मिश्र
(4) मीमांसा दर्शन , प्रथम व द्वितीय भाग – डा0 राधाकृष्णन
(5) भारतीय दर्शन – सम्पा . डा 0 एन . के . देवराज

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या –202
प्रश्न–पत्र II – न्यायदर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

तर्कभाषा (केशवमिश्रकृत) प्रामाण्यवाद तक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो पॉंच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**
इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें :–

द्वितीय खण्ड

प्रथम इकाई – उपोद्धात से अयुतसिद्ध निरूपण तक ।
द्वितीय इकाई – समवायिकारण से प्रत्यक्ष विषयक बौद्धमत का निराकरण पर्यन्त
तृतीय इकाई – अनुमान प्रमाण –हेत्वाभास सहित
चतुर्थ इकाई – उपमान प्रमाण से अभाव प्रमाण खण्डन पर्यन्त ।
पंचम इकाई – प्रामाण्यवाद

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –
द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) तर्कभाषा के उपोद्धात से अयुतसिद्ध निरूपण तक में से दो व्याख्याए या अंश देकर एक की व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) समवायिकारण से प्रत्यक्ष विषयक बौद्धमत का निराकरण तक में से दो व्याख्याए या अंश देकर एक की याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) अनुमान प्रमाण –हेत्वाभास सहित में से दो व्याख्याए या अंश देकर एक की व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(घ) उपमान प्रमाण से अभाव प्रमाण खण्डन पर्यन्त से दो व्याख्याए या अंश देकर एक की व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ड.) प्रामाण्यवाद में से दो व्याख्याए या अंश देकर एक की **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
प्रमाण लक्षण ,कारण स्वरूप ,कारण भेद , प्रत्यक्ष प्रमाण , षोडा–सन्निकर्ष ,अनुमान प्रमाण एवं हेत्वाभास

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
उपमान प्रमाण ,शब्द प्रमाण , अर्थापत्ति प्रमाण का खण्डन , अभाव प्रमाण का खण्डन ,मीमांसक सम्मत प्रामाण्य एवं उसका खण्डन ,न्याय का प्रामाण्यवाद, केशवमिश्र एवं उनकी तर्कभाषा का परिचय एवं महत्त्व

सहायक पुस्तके :–

(1) तर्कभाषा –व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल
(2) तर्कभाषा व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त ' शिरोमणि '
(3) न्याय प्रमाण परिकमा –डा अभेदानन्द
(4) भारतीय दर्शन – दत्ता एवं चटर्जी
(5) भारतीय दर्शन – प्रो0 हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
(6) भारतीय दर्शन – डॉ0 एन.के.देवराज
(7) भारतीय दर्शन – डॉ0 उमेश मिश्र
(8) न्याय–वैशेषिक–दर्शन का इतिहास –धर्मेन्द्र –नाथ शास्त्री

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या –203
प्रश्न–पत्र III – काव्य एवं साहित्य –शास्त्र

पाठ्यक्रम **पूर्णांक 75**

1. मेघदूतम् – कालिदास

2. साहित्यदर्पण –विश्वनाथ –(प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद की 1–29 कारिकापर्यन्त)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

प्रथम इकाई – मेघदूतम् (पूर्वमेघ)
द्वितीय इकाई – मेघदूतम् (उत्तरमेघ)
तृतीय इकाई – मेघदूतम् पर आधारित प्रश्न–पूर्वमेघ एवं उत्तरमेघ का सार, मेघ–मार्ग का वर्णन, यक्षिणी की विरह–अवस्था का चित्रण, प्रकृति –चित्रण , मेघदूत का काव्य सौन्दर्य/वै ाष्ट्य
चतुर्थ इकाई – साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)
पंचम इकाई – साहित्यदर्पण (तृतीय परिच्छेद 1–29 कारिका पर्यन्त)

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा सभी इकाइयो से समान भाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेगे जिनके शत–प्रतिशत विकल्प होगे। इनमे से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7– 7 अंक निर्धारित हैं इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) मेघदूतम् (पूर्वमेघ) के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । 7 अंक
(ख) मेघदूतम् (उत्तरमेघ) के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की **<u>संस्कृत व्याख्या</u>** विकल्प के साथ पूछी जायेगी । 7 अंक
(ग) मेघदूतम् पर आधारित प्रश्न–पूर्वमेघ एवं उत्तरमेघ का सार, मेघमार्ग का वर्णन, यक्षिणी की विरह –अवस्था का चित्रण प्रकृति –चित्रण , मेघदूत का काव्य सौन्दर्य/वै ाष्ट्य आदि 7अंक
(ध) साहित्य –दर्पण के प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । 7अंक
(ड.) साहित्यदर्पण के तृतीय परिच्छेद में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । 7अंक

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।
उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
(1) मेघदूत के आलोक मे कालिदास की काव्य –कला की विशेषताएं, मेघदूत एक गीति काव्य है–इस कथन की पुष्टि,मेघदूत का प्रकृति–सौन्दर्य , मेघदूत में अलंकार योजना , **15 अंक**
मेघदूत मे मानवीकरण ,' मेघे माघे गतं वयः ' आदि सूक्तियों की समीक्षा
(2) साहित्य –दर्पण के निर्धारित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु होगें – काव्य लक्षण , काव्य प्रयोजन , शब्दशक्तियॉ – अभिधा ,लक्षणा , व्यंजना , रसस्वरूप ।

संदर्भ ग्रन्थ :–

(1) मेघदूतम्– कालिदास
(2) साहित्यदर्पण – पी.वी. काणे
(3) साहित्यदर्पण (विमलाटीका) –शालिग्राम शास्त्री
(4) महाकवि कालिदास – रमाशंकर तिवारी
(5) मेघदूत –एक अध्ययन –वासुदेवशरण अग्रवाल
(6) संस्कृत के संदेशकाव्य – रामकुमार आचार्य

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या –204
चतुर्थ प्रश्न–पत्र –साहित्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय

पाठ्यक्रम – साहित्यशास्त्र (आचार्य एवं सम्प्रदाय) 75 अंक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यकम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई – रस–सम्प्रदाय ।
द्वितीय इकाई – अलंकार एवं रीति सम्प्रदाय ।
तृतीय इकाई – वक्रोक्ति सम्प्रदाय ।
चतुर्थ इकाई – औचित्य सम्प्रदाय ।
पंचम इकाई – ध्वनि–सम्प्रदाय

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –
प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक
इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयकम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॅाच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यकम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है । **35 अंक**

(क) रस –सिद्धान्त तथा रसवादी आचार्यो से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ख) अलंकार एवं रीति सम्प्रदाय एवं उनके आचार्यो से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर संस्कृत में पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ग) वक्रोक्ति सम्प्रदाय एवं उनके आचार्यो से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

(घ) औचित्य सम्प्रदाय एवं उनके आचार्यो से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ड.)ध्वनि–सम्प्रदाय एवं उनके आचार्यो से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
भरत मुनि का रस–सूत्र एवं भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनवगुप्त का सिद्धान्त । विभिन्न आचार्यों की अलंकार की परिभाषायें तथा काव्य में उनका महत्व एवं रीतियों की संख्या ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
वक्रोक्ति की परिभाषा तथा वक्रता के भेद–प्रभेद, काव्य की आत्मा औचित्य ,ध्वनि–विरोधी मत आदि से सम्बन्धित

सहायक पुस्तके :–

(1) अलंकारशास्त्र का इतिहास – डॉ0 कृष्ण कुमार
(2) भारतीय साहित्यशास्त्र –जी0टी0देशपाण्डे
(3) भारतीय साहित्यशास्त्र– भाग–1–2–पं0 बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या –205
चतुर्थ प्रश्न–पत्र V – भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1.भाषा विज्ञान

2.लघु सिद्धान्त कौमुदी का समास प्रकरण

3.अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम की इकाईयाँ –

प्रथम इकाई – भाषा विज्ञान इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषय वस्तु / क्षेत्र , विभिन्न पद्धतियाँ ,भाषा की परिभाषा ,भाषा की विशेषताएँ , भाषाओं का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं /पारिवारिक आनुवांशिका

द्वितीय इकाई – इसके अन्तर्गत अधोलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है उच्चारण संस्थान, ध्वनियों का वर्गीकरण , ध्वनि परिवर्तन के कारण , ध्वनिनियम का स्वरूप , ग्रिम , ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि नियम , आर्य भाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत , लौकिक संस्कृत , प्राकृत पाली तथा अपभ्रंश के विशेष, सन्दर्भ में वैदिक लौकिक संस्कृत में अन्तर, वैदिक, लौकिक और प्राकृत भाषा की विशेषातएँ ।

तृतीय इकाई – लघुसिद्धान्त कौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत केवल समास, अव्ययीभाव और तत्पुरूष समास

चतुर्थ इकाई – लघुसिद्धान्त कौमदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत बहुव्रीहिसमास और द्वन्द्वसमास

पंचम इकाई – अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10 अंक**

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए –– 7 अंक निर्धारित है। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा । **7 अंक**

(ख) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा **7 अंक**

(ग) समास प्रकरण के निर्धारित पाठ्यक्रम से किन्ही चार समस्त पदों को देकर सूत्र निर्देशकपूर्वक दो की सिद्धी पूछी जायेगी । **7 अंक**

(घ) समास प्रकरण के निर्धारित पाठ्यक्रम से किन्ही चार समस्त पदों को देकर सूत्र निर्देशकपूर्वक दो की सिद्धी पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ड.) हिन्दी भाषा में विकल्प सहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिये दिया जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत भाषा विज्ञान के विषय होंगे – **15 अंक**

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत लघुसिद्धान्त कौमुदी के समास प्रकरण से आठ सूत्र देकर चार की उदाहरण सहित व्याख्या पूछी जायेगी **15 अंक**

सहायक पुस्तके :–

(1) भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा
(2) भाषा विज्ञान –डॉ कर्ण सिंह
(3) भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
(4) भाषा विज्ञान – मंगलदेव शास्त्री
(5) भाषा विज्ञानस्य रुपरेखा– पं0 गिरिधर लाल शास्त्री
(6) संस्कृत व्याकरण – डॉ0 प्रीतिप्रभा गोयल
(7) प्रौढ़ रचनानुवाद – कपिल देव द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या –301
प्रश्न–पत्र I – (अनिवार्य) गद्य, काव्य एवं पुराण

पाठ्यक्रम – **पूर्णाक 75**

शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम ,द्वितीय निश्वास)
नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)
पुराण का सामान्य –परिचय ।
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पॉच इकाईयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

प्रथम इकाई – शिवराजविजय प्रथम निश्वास
द्वितीय इकाई – शिवराजविजय द्वितीय निश्वास
तृतीय इकाई – नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्लोक 1 से 70 तक
चतुर्थ इकाई – नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्लोक 71 से 145 तक
पंचम इकाई – पुराण का सामान्य परिचय

प्रथम खण्ड – (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**
इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा सभी इकाइयो से समान भाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**
इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेगें ।इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) शिवराजविजय (प्रथम निश्वास) में से किसी गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी। **7 अंक**
(ख) शिवराज विजय (द्वितीय निश्वास) में से किसी गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) नैषधीयचरितम् (प्रथम –सर्ग) श्लोक 1 से 70 तक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) नैषधीयचरितम् (प्रथम –सर्ग) श्लोक 71 से 145 में से किसी एक श्लोक की **संस्कृत में** सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) इस प्रश्न मे पुराण का सामान्य परिचय पूछा जायेगा । जिसके प्रमुख बिन्दु पुराण की परिभाषा , पुराण एवं उपपुराणों की संख्या , पुराणों का प्रतिपाद्य आदि विषय होंगे । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15 –15 अंक निर्धारित हैं ।

उक्त खण्ड के अन्तर्गत प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**

(1) अम्बिकादत्त व्यास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व , शिवराजविजय की कथा वस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिवराजविजय की भाषा –शैली , शिवराजविजय की ऐतिहासिकता शिवराजविजय के प्रमुख पात्रों में से किसी एक पात्र का चरित्र –चित्रण आदि
उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**

(2) श्रीहर्ष का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नैषधीयचरित का संस्कृत महाकाव्यों में स्थान, प्रथम सर्ग की कथावस्तु पर आधारित प्रश्न , श्रीहर्ष की अलंकार योजना ,महाकाव्य परम्परा में श्रीहर्ष का योगदान आदि

सन्दर्भ –ग्रन्थ –

(1) शिवराजविजय –अम्बिकादत्त व्यास

(2) नैषधीयचरितम् –श्रीहर्ष

(3) अम्बिकादत्त व्यास – एक अध्ययन –कृष्ण कुमार

(4) नैषधपरिशीलन – चण्डिकाप्रसाद शुक्ल

(5) संस्कृत साहित्य का इतिहास –बलदेव उपाध्याय

(6) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 प्रीति प्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कूट संख्या –302
प्रश्न–पत्र II – (अनिवार्य) संस्कृत कवि

पाठ्यक्रम – पूर्णांक 75

1. अश्वघोष , कालिदास ,माघ , भारवि , श्रीहर्ष , कल्हण , बिल्हण, भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी , सुबन्धु

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाईयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

प्रथम इकाई – अश्वधोष एवं कालिदास
द्वितीय इकाई – माघ भारवि , श्रीहर्ष
तृतीय इकाई – कल्हण , एवं बिल्हण
चतुर्थ इकाई – भवभूति ,शूद्रक एवं हर्षवर्धन
पंचम इकाई – दण्डी एवं सुबन्धु

प्रथम खण्ड – (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा सभी इकाइयो से समान भाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) 35 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेगें ।इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) अश्वधोष एवं कालिदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ख) माघ भारवि श्रीहर्ष के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ग), कल्हण , एवं बिल्हण के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(घ) भवभूति, शूद्रक एवं हर्षवर्धन के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ड.) दण्डी एवं सुबन्धु की रचनाओं से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर **संस्कृत** में पूछा जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15 –15 अंक निर्धारित हैं ।

उक्त खण्ड के अन्तर्गत प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**

(1) अश्वघोष , कालिदास ,माघ , भारवि , श्रीहर्ष , कल्हण , एवं बिल्हण की कृतियों के काव्य –वैशिष्ठ्य से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
भवभूति भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी , एवं सुबन्धु की कृतियों के काव्य –वैशिष्ठ्य से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा

सन्दर्भ –ग्रन्थ –

(1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 विश्वनाथ शर्मा

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – कपिल द्विवेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 प्रीतिप्रभा गोयल

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या –303 वर्ग अ (साहित्य)
प्रश्न–पत्र III – काव्य शास्त्र

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

काव्य प्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास पर्यन्त)
काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य –परिचय
समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पॉच इकाइयो में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –
प्रथम इकाई –काव्यप्रकाश , 1–2 उल्लास
द्वितीय इकाई – काव्यप्रकाश 3–4 उल्लास
तृतीय इकाई – काव्य प्रकाश 5–6 उल्लास
चतुर्थ इकाई – काव्य प्रकाश पर आधारित प्रश्न
पंचम इकाई – काव्य –शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय

प्रथम खण्ड –वस्तुनिष्ठात्मक भाग **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा समस्त इकाइयों में से समान भाव से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड – व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है –

(क) काव्य प्रकाश के प्रथम एवं द्वितीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) काव्य प्रकाश के तृतीय एवं चतुर्थ उल्लासों मे से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) काव्य प्रकाश के पंचम एवं षष्ठ उल्लास में से किसी एक कारिका की **संस्कृत में** व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) इस प्रश्न के अन्तर्गत काव्य लक्षण, शब्द का संकेतीकरण चित्र काव्य विवेचन काव्य प्रकाश का महत्त्व , मम्मट का योगदान आदि प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे । काव्य प्रकाश का महत्त्व आदि प्रश्न पूछे जायेंगे **7 अंक**
(ड.) काव्य –शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय ,रस–सम्प्रदाय, अलंकार–सम्प्रदाय रीति सम्प्रदाय,वक्रोक्ति–सम्प्रदाय , ध्वनि–सम्प्रदाय एवं औचित्य सम्प्रदाय पर आधारित प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड –निबंधात्मक भाग **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं ।

(1) उक्त खण्ड के अन्तर्गत प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

काव्य प्रकाश में विवेचित विषय वस्तु –काव्यप्रयोजन , काव्य–हेतु,,काव्य –लक्षण , अभिधा लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप ,काव्य –भेद , ध्वनि –भेद ,गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण अंलकारादि ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे– **15 अंक**
अलंकार सम्प्रदाय , रीति सम्प्रदाय , ध्वनि सम्प्रदाय , रस सम्प्रदाय , वक्रोक्ति सम्प्रदाय , औचित्य सम्प्रदाय।

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट – वामनाचार्य झलकीकर
(2) भारतीय साहित्यशास्त्र – जी.टी. देशपाण्डे
(3) भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 –2) – पण्डित बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या –304 वर्ग –अ (साहित्य)
प्रश्न–पत्र IV– साहित्य शास्त्र - I

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

रसगंगाधर (प्रथम आनन) – आरम्भ से रसभेद निरूपण तक
ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयां –

प्रथम इकाई – रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरम्भ से काव्यभेद तक ।
द्वितीय इकाई – रसगंगाधर (प्रथम आनन) के ' रसस्वरूप ' से लेकर रसभेद निरूपण तक
तृतीय इकाई – ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका (1–8) तक
चतुर्थ इकाई – ध्वन्यालोक पर (प्रथम उद्योत) कारिका (9–18) कारिका
पंचम इकाई – ध्वन्यालोक पर आधारित प्रश्न

प्रथम खण्ड – (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानभाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड –(व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेगे ।इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखत प्रकार होगा –

(क) रसगंगाधर (प्रथम आनन) की आरम्भ से काव्यभेद निरूपण तक में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) रसगंगाधर प्रथम आनन) के रसस्वरूप से लेकर रसभेद निरूपण तक एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 1–8 तक में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 9–10 तक में से किसी एक कारिका की **सप्रसंग संस्कृत** –व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**
(ड.) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) के आधार पर ध्वनि की परिभाषा ,विपक्षी मतों का खण्डन , ध्वनि के पक्ष मे युक्तियां उदाहरण , काव्यस्यात्मा ध्वनिः आदि विषय पर आधारित प्रश्न
7 अंक

तृतीय खण्ड (विवेचनात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । इनके लिए 15-15 अंक वाले है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरंभ से रसभेद निरूपण तक आधारित विषयवस्तु पर होगा । **15 अंक**

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत पं. जनन्नाथ का व्यक्तित्व, कृतित्व, उनके साहित्यशास्त्र में उनका स्थान एवं रसगंगाधर की विषयवस्तु पर आधारित होगा । **15 अंक**

सहायक पुस्तकें

(1)रसगंगाधर – पंडित जगन्नाथ
(2)ध्वन्यालोक – आनंदवर्धन

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या –305 वर्ग –अ साहित्य
प्रश्न–पत्र V– संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

उत्तररामचरितम् –भवभूति

कर्णभारम् भास

समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई –उत्तररामचरितम् नाटक के 1–3 अंक
द्वितीय इकाई – उत्तररामचरितम् नाटक के 4–7 अंक
तृतीय इकाई – उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नपत्र ,अंको का सार अंको का वैशिष्ट्य , उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न ।
चतुर्थ इकाई – कर्णभार नाटक के प्रथम अंक श्लोक 1–12 तक
पंचम इकाई – कर्णभार नाटक के प्रथम अंक के श्लोक 13–25 तक

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा समस्त इकाइयो से समान भाव से सम्बद्ध होंगें ।

द्वितीय खण्ड –(व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखत प्रकार से है –

(क) उत्तररामचरितम् नाटक के 1–3 अंक में से किसी श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) उत्तररामचरितम् नाटक के 4–7 अंक में से किसी श्लोक की संस्कृत सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्नपत्र ,अंको का सार अंको का वैशिष्ट्य , उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न । **7 अंक**

(घ) नाटक कर्णभार के प्रथम अंक के श्लोक 1–12 तक में से सप्रसंग हिन्दी व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ड.) नाटक कर्णभार के प्रथम अंक के श्लोक 13–25 तक में से सप्रसंग **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

(1) उत्तररामचरित नाटक की सामन्य समीक्षा , भवभूति की नाटककार की दृष्टि से समालोचना, उत्तररामचरित नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र –चित्रण , उत्तररामचरिते – भवभूतिर्विशिष्यते , एको रसकरूण एव , । कारूण्यम् भवभूतिरेव तनुते ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे । | **15 अंक**

भास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भास की नाट्यकला, नाटक कर्णभार का वैि ाष्ट्य , कर्णभार के किसी पात्र का चरित्र–चित्रण आदि ।

सहायक पुस्तके

(1) उत्तररामचरितम् नाटक – भवभूति
(2) कर्णभारम् – भास
(3) महाकविभवभूति – गंगासागर राय
(4) भवभूति के नाटक – डा0 ब्रजबल्लभ शर्मा
(5) संस्कृत नाट्यसाहित्य –

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कोड संख्या 303 वर्ग ब (दर्शन)
प्रश्न पत्र – III वेदान्त दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1.ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : प्रथम अध्याय , प्रथम पाद के 1–4 सूत्र (चतु:सूत्री) ।

2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : द्वितीय अध्याय ,द्वितीय पाद

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य , प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 1–2 सूत्र
द्वितीय इकाई – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य , प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 3–4 सूत्र
तृतीय इकाई – ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय ,द्वितीयपाद की 1–23 सूत्र
चतुर्थ इकाई – ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद की 24 – 45 सूत्र
पंचम इकाई – ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्त्व तथा वेदान्त दर्शन का सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10अंक**

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड ' ब ' (व्याख्यात्मक भाग) **35अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के 1–2 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में एक व्याख्येय अंश देकर व्याख्या शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के 3–4 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में एक व्याख्येय अंश देकर व्याख्या शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के 1–23 सूत्र में से किसी एक सूत्र की **संस्कृत** व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के 24–45 सूत्र में से किसी एक सूत्र की व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्तव तथा वेदान्त दर्शन का सामान्य परिचय मे से दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथम पाद के 1–4 सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बद्ध एक प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जायेगा ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के सूत्रों में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्द्ध एक प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जायेगा । इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होगें –
शांकरवेदान्त की दृष्टि से सांख्य , कणाद, बौद्ध , वैशेषिक , विज्ञानवादी , आर्हत, तटस्थ ईश्वर कारणवादी मतों का खण्डन

सहायक पुस्तके :–

(1) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या . स्वामी योगीन्द्रानन्द

(2) अर्थसंग्रह , लौगाक्षीभास्कर

(3) ब्रह्म शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) –व्या. आचार्य विश्वेश्वर

(4) मीमांसा दर्शन – वाचस्पति उपाध्याय

(5) भारतीयद दर्शन – सम्पा . डा 0 एन . के . देवराज

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या 304 वर्ग ब (दर्शन)
प्रश्न पत्र – IV सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**
सांख्य तत्त्व कौमुदी – वाचस्पति मिश्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉंच इकाइयों में तथा तीन खण्डों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (1 से 21 कारिका)
द्वितीय इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (22से 45 कारिका)
तृतीय इकाई – सांख्य तत्त्व कौमुदी (46से 72 कारिका)
चतुर्थ इकाई – त्रिविध दुःख , तापत्रय , गुणत्रय , व्यक्त ,–अव्यक्त एवं ज्ञ स्वरूप , प्रत्यक्षबाधक , दृष्ट /आनुश्रविक उपाय विवेचन ।
पंचम इकाई – सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य । सांख्य तत्त्व कौमुदी परिचय एवं सार ,सृष्टि प्रक्रिया (क्रम) प्रत्यय सर्ग (बौद्धिक सृष्टि) ,त्रिविध प्रमाण , प्रकृति –पुरूष , साम्य –वैषम्य , प्रकृति स्वरूप , अथवा पुरूश स्वरूप निरूपण ।

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10 अंक**

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉंच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए7– 7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 1 –21 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 22–45 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी **7 अंक**
(ग) सांख्य तत्त्व कौमुदी की 46–72 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की **संस्कृत व्याख्या** विकल्प सहित पूछी जायेगी **7 अंक**
(घ) दुःखत्रय, /तापत्रय , गुणत्रय /त्रिविध गुण ,व्यक्त –अव्यक्त –ज्ञ स्वरूप , प्रत्यक्ष बाधक /इन्द्रिय प्रत्यक्ष के बाधक कारण , दृष्ट /आनुश्रविक उपायों का स्वरूप अथवा दोष विवेचना आदि मे से एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ड.) सांख्य सम्मत सृष्टि प्रक्रिया , पच्चीस तत्त्व निरूपण , प्रत्यय सर्ग , त्रिविध प्रमाण , प्रकृति अथवा पुरूष स्वरूप , प्रकृति –पुरूष , साम्य –वैषम्य आदि विषयों में से एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा ।

7 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
सत्कार्यवाद, प्रमाण विवेचन , पुरूश बहुत्व / अनेकत्व , सूक्ष्मशरीर , कैवल्य , बुद्धि के प्रकार / ऐश्वर्य , बुद्धि के 50 भेद , प्रकृति– पुरूष सम्बन्ध

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य । सांख्यतत्त्व कौमुदी परिचय एवं सार

सहायक पुस्तके :–

(1) सांख्यतत्त्वकौमुदी – वाचस्पति मिश्र

(2) भारतीय दर्शन – दत्ता एण्ड चटर्जी

(3) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्न पत्र कूट संख्या –305 वर्ग –ब (दर्शन)
प्रश्न–पत्र V– न्याय वैशेषिक दर्शन – I

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली –विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड दिग् पर्यन्त कारिका 46 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा तीन खण्डो में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ —

प्रथम इकाई –न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 12 तक
द्वितीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 13 से 22 तक
तृतीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 34 तक
चतुर्थ इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 35 से 46 तक
पंचम इकाई – न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 12 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**
(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 13 से 22 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**
(ग) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 23 से 34तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का **संस्कृत में** । पूछा जायेगा **7 अंक**
(घ) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 35 से 46 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या अथवा दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**
(ङ.)न्याय वैशेषिक दर्शन के सामान्य परिचय से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग)

30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इन दो प्रश्नों के क्रमशः 15+15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में विवेचित विषय – मंगलाचरण का प्रयोजन , ईश्वर सिद्धि , पदार्थ –विभाग एवं स्वरूप , शक्ति और सादृश्य, पदार्थ खण्डन , द्रव्य एवं द्रव्यत्व जाति की सिद्धि , सामान्य निरूपण एवं जाति बाधक , विशेष पदार्थ ,समवाय पदार्थ , भेद सहित अभाव निरूपण, कारण लक्षण भेद सहित ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होगे– **15 अंक**
न्यायसिद्धान्त मुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड के विवेचित विषय – पृथिवी निरुपण ,अवयवी की सिद्धि, परमाणु की सिद्धि , जल निरुपण ,तेज निरुपण , स्वर्ण की तैजस् सिद्धि , वायु निरुपण , आकाश निरुपण , काल निरुपण , दिग् निरुपण , न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय एवं महत्व के निम्न विषय प्रमाण , प्रत्यक्ष , अनुमान , शब्द तथा उपमान , अर्थापत्ति व अभाव, खण्डन

सहायक पुस्तके :–

(1) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली –ज्वाला प्रसाद गौड

(2) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डा. धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(3) भारतीय दर्शन न्याय –वैशेषिक –डा धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(4) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) –मुसलगांवकर

(5) भारतीय न्याय शास्त्र – डा. ब्रह्म मित्र अवस्थी

(6) वैशेषिक दर्शन – डा. श्री नारायण मिश्र

(7) न्याय– वैशेषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्याय लीलावती के आलोक में) – डा. नरेन्द्र अवस्थी
राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर ।

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 401 (अनिवार्य)
प्रश्नपत्र I - काव्य (गद्य, पद्य , और निबन्ध)

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

कादम्बरी (कथामुखम्)
शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)
निबन्ध
समस्त पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई – कादम्बरी (कथामुख) शूद्रक वर्णन से लेकर शुक–सम्वाद वर्णन तक ।
द्वितीय इकाई – कादम्बरी (कथामुख) विंध्याटवी वर्णन से लेकर रात्रिवर्णन तक ।
तृतीय इकाई – शिशुपालवध के प्रथम सर्ग के श्लोक (1 से 35 तक)
चतुर्थ इकाई – शिशुपालवध के (प्रथम सर्ग) के श्लोक (36 से 75 तक)
पंचम इकाई – शिशुपालवध के प्रथम –सर्ग पर आधारित प्रश्न , माघ का व्यक्तित्व, माघ की भाषा–शैली आदि ।

प्रथम खण्ड (वस्तुनिश्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित होंगें तथा समस्त इकाइयों से समान भाव से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड –व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है –

(क) कादम्बरी (कथामुख) भाग के आरम्भ से शुकसम्वाद वर्णनम् तक मे से किसी एक गद्यांश की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) कादम्बरी (कथामुख) भाग के विन्ध्याटवी वर्णन से लेकर रात्रि–वर्णन तक में से किसी एक गद्यांश की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) शिशुपालवध के प्रथम सर्ग के श्लोक 1 से 35 तक में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) शिशुपालवध (प्रथम –सर्ग) के श्लोक 36 से 75 तक में से किसी एक श्लोक की व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**
(ड.) शिशुपालवध के प्रथम–सर्ग पर आधारित प्रश्न, माघ का व्यक्तित्व, माघ की भाषा –शैली माघ का कृतित्व , माघे सन्ति त्रयो गुणा : , मेघे माघे गतं वय : , नवसर्गगते माघे नवशब्दो न विद्यते आदि ।

7 अंक

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
बाणभट्ट की भाषा –शैली ,बाणभट्ट का वैदुष्य, महत्त्व तथा गद्य लेखकों में उनका स्थान, उनके गद्य की विशेषताएँ आदि ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत विकल्प सहित निबन्ध होगा जिसके लिए **15 अंक** निर्धारित है।

इसके अन्तर्गत संस्कृत भाषा के माध्यम से पॉच विषयों में से एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा । निबन्ध के विषय सामान्यतया निम्नलिखित क्षेत्रों से सम्बन्धित होगे – वैदिक साहित्य, प्रमुख कवि एवं काव्य , संस्कृत भाषा , भारतीय –संस्कृति , काव्य सिद्धान्त षड्दर्शन (आत्मा ,जगत् , मोक्ष)

सहायक पुस्तकें

(1) कादम्बरी (कथामुखम्) – बाणभट्ट
(2) शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग)– महाकवि माघ
(3) कादम्बरी –एक सांस्कृतिक अनुशीलन –वासुदेवशरण अग्रवाल
(4) बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन –अमरनाथ पांडेय
(5) महाकवि माघ – डॉ 0 मनमोहन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 402 (अनिवार्य)
प्रश्नपत्र II – चार्वाक,बौद्ध एवं जैन दर्शन

पाठ्यक्रम – **पूर्णांक 75**

1. सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य (चार्वाक् ,बौद्ध एवं जैनदर्शन मात्र)

   समस्त पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई – चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)
द्वितीय इकाई – बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)
तृतीय इकाई – जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 3 से 26 वीं कारिका पर्यन्त ।
चतुर्थ इकाई – जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 27वीं कारिका से 62 कारिका पर्यन्त
पंचम इकाई – चार्वाक,बौद्ध एवं जैनदर्शन का परिचय ,प्रतिपाद्य, एवं महत्त्व

प्रथम खण्ड (वस्तुनिश्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित होंगें तथा समस्त इकाइयों से समान भाव से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड –व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है –

(क) चार्वाक दर्शन से एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) बौद्ध दर्शन से एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) जैनदर्शन के प्रारम्भ से 26 वीं कारिका पर्यन्त में से एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) जैनदर्शन की 27वीं कारिका से 62वीं कारिका में से एक कारिका की **संस्कृत** व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) चार्वाक ,बौद्ध एवं जैन दर्शन के सामान्य परिचय , प्रतिपाद्य एवं महत्त्व से सम्बद्ध एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबंधात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्प के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15 अंक**
सर्वदर्शन संग्रह के चार्वाक् और बौद्ध दर्शन से सम्बद्ध

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होगे –**15 अंक**
सर्वदर्शन संग्रह के जैनदर्शन से सम्बद्ध

सहायक पुस्तकें

(1) सर्वदर्शनसंग्रह – माघवाचार्य
(2) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
(3) भारतीय दर्शन – सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(4) भारतीय दर्शन – दत्ता एण्ड चटर्जी
(5) जैन दर्शन – मोहनलाल मेहता

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 403 वर्ग –अ (साहित्य)
प्रश्नपत्र III – साहित्य –शास्त्र – II

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट (सप्तम एवं अष्टम उल्लास)
वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम –उन्मेष)
साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यो का सामान्य –परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा प्रश्नपत्र पाँच इकाइयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यकम इकाइयाँ

प्रथम इकाई – काव्यप्रकाश का सप्तम उल्लास
द्वितीय इकाई – काव्यप्रकाश अष्टम उल्लास
तृतीय इकाई – काव्यप्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास पर आधारित प्रश्न
चतुर्थ इकाई – वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम –उन्मेष) की कारिका 1–25 तक
पंचम इकाई – वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम –उन्मेष) की कारिका 26–58 तक

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाईयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्या एवं प्रश्न) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यकम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से हैं

(क) काव्य –प्रकाश के सप्तम उल्लास में से किसी एक कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या विकल्पसहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) काव्यप्रकाश के अष्टम उल्लास में से किसी एक कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या विकल्पसहित पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) काव्यप्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास पर आधारित प्रश्न –गुणी अलंकार में भेद, दोष एवं रस –दोष गुण के प्रकार आदि । **7 अंक**
(घ) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम –उन्मेष) की कारिका 1–25 तक की कारिका में से विकल्पसहित एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम –उन्मेष) की श्लोक 26–58 तक में से विकल्पसहित एक कारिका की सप्रसंग **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्क भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे – **15 अंक**

वक्रोक्जिीवित का महत्त्व , वक्रोक्तिजीवितकार का योगदान वक्रोक्तिजीवित की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होगें – **15 अंक**

आचार्य भरत ,भामह ,दण्डी , वामन , आनन्दवर्धन , अभिनवगुप्त , कुन्तक, क्षेमेन्द्र , राजशेखर ,भोज , मम्मट, विश्वनाथ , पण्डित जगन्नाथ आदि आचार्यो का परिचय एवं उनका कृतित्व

सहायक पुस्तके :–

(1) काव्यप्रकाश –आचार्य मम्मट
(2) वक्रोक्तिजीवितम् – (प्रथम –उन्मेष)
(3) भारतीय साहित्य शास्त्र –जी.टी. देशपाण्डे
(4) भारतीय साहित्य शास्त्र –भाग 1 व 2 पण्डित बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 404 वर्ग –अ (साहित्य)
प्रश्नपत्र IV– नाटक एवं काव्य

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

वेणीसंहार
रधुवंशम् (प्रथम सर्ग)
संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो तथा प्रश्नपत्र इकाइयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई – वेणीसंहार नाटक , प्रथम, द्वितीय , तृतीय अंक
द्वितीय इकाई – वेणीसंहार नाटक – चतुर्थ , पंचम , षष्ठ अंक
तृतीय इकाई – रधुवंशम् (प्रथम–सर्ग) श्लोक 1– 45
चतुर्थ इकाई – रधुवंशम् (प्रथम–सर्ग) श्लोक 46 –सर्गसमाप्ति पर्यन्त
पंचम इकाई – संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्या) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यकम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) वेणीसंहार नाटक के प्रथम तीन अंको में से किसी एक श्लोक की सप्रसंगयाख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) वेणीसंहार नाटक के चतुर्थ से षष्ठ अंक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) रधुवंशम् (प्रथम–सर्ग) श्लोक 1–45 तक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) रधुवंशम् (प्रथम–सर्ग) श्लोक 45 –सर्गपर्यन्त तक किसी एक श्लोक की सप्रसंग **संस्कृत व्याख्या** पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) संस्कृत के प्रमुख नाटकों में से किसी नाटक पर एवं नाट्यकार पर आधारित प्रश्न । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित हैं ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे – **15 अंक**

वेणी संहार नाटक पर आधारित प्रश्न ,वेणीसंहार की भाषा शैली , नाट्य–कला , प्रमुख पात्रों का चरित्र –चित्रण आदि ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत विकल्पसहित प्रश्न होगा जो रधुवंशम् (प्रथमसर्ग) की कथावस्तु , उसका वैशिष्ट्य , कालिदास की काव्य –कला आदि पर आधारित होगा ।
15 अंक

सहायक पुस्तके :–
(1)वेणीसंहारम् – भट्ट नारायण
(2)रघुवंशम् (प्रथम–सर्ग) –महाकवि कालिदास
(3)संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक–खण्ड) –प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 405 वर्ग –अ (साहित्य)
प्रश्नपत्र V– नाट्यशास्त्र

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

नाट्यशास्त्र (शष्ठ अध्याय मात्र)

दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों मे विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई – नाट्य–शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 1 से 30 तक
द्वितीय इकाई – नाट्य–शास्त्र (शश्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 31 से अध्यायपर्यन्त
तृतीय इकाई – नाट्य–शास्त्र (शष्ठ अध्याय) पर आधारित प्रश्न
चतुर्थ इकाई – दशरूपकम् (प्रथम प्रकाश)
पंचम इकाई – दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश)

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्या एवं प्रश्न) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) नाट्य–शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 1से 30 तक किसी एक श्लोक की विकल्प सहित व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) नाट्य–शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 31 से अध्यायपर्यन्त तक किसी एक श्लोक पर विकल्पसहित **संस्कृत में** व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**
(ग) नाट्य–शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) पर विकल्पसहित एक प्रश्न पूछा जायेगा । **7 अंक**
(घ) दशरूपकम् (प्रथमप्रकाश) में से एक कारिका की विकल्पसहित देकर सप्रसंग उसकी व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ड.) दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश) मे से एक कारिका की विकल्पसहित देकर सप्रसंग उसकी व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1)उक्त खण्ड का प्रथम प्रश्न दशरूपकम् (प्रथमप्रकाश) में वर्णित विषय सामग्री पर आधारित होगा – **15 अंक**

(2) द्वितीय प्रश्न का आधार दशरूपकम् (तृतीयप्रकाश) में वर्णित सामग्री पर आधारित होगा । –**15 अंक**

सहायक पुस्तके :–

(1) नाट्य शास्त्र – भरतमुनि
(2) दशरूपकम् – धनंजय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 403 वर्ग –ब (दर्शन)
प्रश्नपत्र III– मीमांसा दर्शन

पाठ्यक्रम **75 अंक**

अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर

समग्र पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयां –
प्रथम इकाई –विधि भाग, अर्थसंग्रह
द्वितीय इकाई – मन्त्र भाग, अर्थसंग्रह
तृतीय इकाई – नामधेय भाग, अर्थसंग्रह
चतुर्थ इकाई – निषेध, अर्थसंग्रह
पंचम इकाई – अर्थवाद, अर्थसंग्रह और मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय एवं मुख्य प्रतिपाद्य विषय

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा समस्त इकाइयो से समान भाव से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड – (व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे ।इनमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखत प्रकार से है –

(क) अर्थसंग्रह विधि (विनियोग विधि)में से दो व्याख्यांश देकर एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) अर्थसंग्रह विधि (उत्पत्ति, प्रयोग एवं अधिकारी) भाग में से लक्षण, प्रमाण, भेद,कर्म इत्यादि विषयों से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का समाधान पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ग) अर्थसंग्रह , मन्त्र भाग में से दो व्याख्यांश देकर किसी एक अंश की **संस्कृत** व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**
(घ) अर्थसंग्रह ,नामधेय भाग में से नामधेय का औचित्य नामधेय के निमित्त चतुष्ट्य इत्यादि विषयों से सम्बद्ध दो प्रश्न देकर एक का समाधान पूछा जायेगा । **7 अंक**
(ड.) अर्थसंग्रह,निषेघ और अर्थवाद भाग में से दो व्याख्यांश देकर किसी एक की व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**

तृतीय खण्ड (विवेचनात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15-15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत अर्थसंग्रह से विधि , विधि भेद, सन्दंश , कर्म , प्रकृति याग आदि प्रश्न पूछे जायेगे । **15 अंक**

(2) द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे अर्थसंग्रह का प्रतिपाद्य,ग्रन्थकार धर्म लक्षण निषेध की द्वयार्थकता, अर्थवाद के भेद , मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य । **15 अंक**

सहायक पुस्तके

1. अर्थसंग्रह – लौगाक्षिभास्कर
2. मीमांसा – वाचस्पति उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन – डा. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 404 वर्ग –ब (दर्शन)
प्रश्नपत्र IV– योग दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1) योगसूत्र – महर्षि पतंजलिकृत (भोजवृत्ति सहित)
समाधिपाद, साधनपाद और विभूति पाद के 1 से 6 सूत्र पर्यन्त ।
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – योग सूत्र– प्रथम समाधिपाद को 1 से 27 सूत्रपर्यन्त
द्वितीय इकाई – योगसूत्र – प्रथम समाधिपाद के 28 से 51 सूत्रपर्यन्त
तृतीय इकाई – योगसूत्र –द्वितीय साधनपाद सूत्र 1 से 26 पर्यन्त
चतुर्थ इकाई – योगसूत्र – द्वितीय साधनपाद ,सूत्र 27 से तृतीय विभूतिपाद के 1–6 सूत्रों पर्यन्त
पंचम इकाई – योग –दर्शन का सामान्य परिचय , प्रतिपाद्य , योगसूत्र , परिचय एवं प्रतिपाद्य , समाधिपाद/साधन पाद, विषय वस्तु सार , । योग का लक्षण एवं जीवन मे महत्त्व एवं उपादेयता ।

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यकम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) योगसूत्र प्रथम समाधिपाद के 1–27 सूत्रों में से एक सूत्र की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी । 7 अंक
(ख) योगसूत्र प्रथम समाधिपाद के 28 से 51 सूत्रों में से एक सूत्र की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 7 अंक
(ग) योगसूत्र द्वितीय साधन पाद के 1 से 26 सूत्रों में से **संस्कृत व्याख्या** विकल्प सहित पूछी जायेगी 7 अंक
(घ) योगसूत्र के द्वितीय साधन पाद के 27 से तृतीय विभूतिपाद के 1 से 6 सूत्रों में से एक प्रश्न अथवा टिप्पणी विकल्पसहित पूछी जाएगी । प्रश्न अथवा टिप्पणी उपर्युक्त इकाई में निर्धारित पाठयकम पर आधारित होगी । यथा–यम , नियम , प्राणायाम , आसन , स्वरूप या भेद प्रभेद , प्रत्याहार , घारणा , ध्यान स्वरूप , अष्टांगयोग के अभ्यास से होने वाली सिद्धियॉ । 7 अंक
(ड.) योगसूत्र परिचय , योगसूत्र का प्रतिपाद्य , समाधि , पाद साधन पाद की विषयवस्तु अथवा सार में से विकल्प सहित एक प्रश्न पूछा जाएगा । 7 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
चित्त निरोध के उपाय , समाधि , समाधि के भेद –प्रभेद , चित्त एकाग्रता के अन्तराय , ईश्वर का लक्षण , चित्त एकाग्र करने के उपाय , चित्त की एकाग्रता से होने वाले लाभ ,अष्टांगयोग आदि

उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
(2) योग दर्शन सामान्य परिचय , योग का प्रतिपाद्य , योग का लक्षण , योग दर्शन का जीवन में महत्व एवं वर्तमान में उपादेयता विषयाधारित एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा । 15 अंक

सहायक पुस्तके :–
(1) योगसूत्र –पतंजलि (भोजवृत्ति सहित)
(2) पातंजलयोगप्रदीप – स्वामी ओमानन्द तीर्थ गीता प्रेस ,गोररखपुर
(3) भारतीय दर्शन – दत्ता एण्ड चटर्जी
(4) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
(5) भारतीय दर्शन – उमेश मिश्र
(6) व्यास भाष्य – वेद व्यास

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2011–2012
प्रश्नपत्र कूट संख्या 405 वर्ग –ब (दर्शन)
प्रश्नपत्र V– न्याय वैशेषिक दर्शन – II

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली –विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 47 से 65 तक)
2 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली –विश्वनाथ (अनुमान खण्ड कारिका 66 से 78 तक)
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है

पाठ्यक्रम की इकाइयां –

प्रथम इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 56 तक
द्वितीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 57 से 65 तक
तृतीय इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : अनुमान खण्ड की कारिका 66 से 70 तक
चतुर्थ इकाई – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली : : अनुमान खण्ड की कारिका 71 से 78 तक
पंचम इकाई – न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित दस प्रश्न पूछे जाएंगे ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगे

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जाएंगे इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याखाए) लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित है ।

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 56 में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में । **7 अंक**
(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 56 से 65 में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में । **7 अंक**
(ग) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान खण्ड की 66 से 70 की कारिकाओं में से दो कारिकाएं देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में । **7 अंक**
(घ) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान खण्ड की 71 से 78 की कारिकाओं में से दो कारिकाएं देकर किसी एक की **संस्कृत व्याख्या** मुक्तावली के आलोक में । **7 अंक**
(ङ.) न्याय वैशेषिक दर्शन के सामान्य परिचय तथा सिद्धान्त से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा । **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इन दो प्रश्नों के क्रमशः 15+15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होगे – **15अंक**
न्याय सिद्धान्त मुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में विवेचित विषय –न्यायिक –आत्म – निरूपण, देहात्मवाद –खण्डन, विज्ञानवाद –खण्डन ,वेदान्तमतखण्डन , सांख्यमतखण्डन, बुद्धि –निरूपण, प्रत्यक्ष –लक्षण, षड् सन्निकर्ष अलौकिक प्रत्यक्ष, ज्ञान – लक्षण, सामान्य –लक्षण ,,योगजप्रत्यक्ष

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होगे– **15अंक**
परामर्श– निरूपण, व्याप्ति – निरूपण, अनुमिति – निरूपण, हेत्वाभास, अनैकान्तिक हेत्वाभास, विरूद्ध, हेत्वाभास, असिद्ध हेत्वाभास, कालात्ययापदिष्ट, हेत्वाभास, सत्प्रतिपक्ष–हेत्वाभास, न्याय वैशेषिक दर्शन के सामान्य परिचय महत्व से सम्बन्धित निम्न विषय सामान्य, वि ेष ,समवाय व अभाव पदार्थ निरूपण , अभाव व अर्थापत्ति खण्डन

सहायक पुस्तके :–

(1) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली –ज्वाला –प्रसाद गौड
(2) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डा 0 धर्मेन्दनाथ शास्त्री
(3) भारतीय दर्शन न्याय –वैशेषिक –डा 0धर्मेन्दनाथ शास्त्री
(4) भारतीय न्याय शास्त्र – डॉ 0ब्रह्ममित्र अवस्थी
(5) वैशेषिक दर्शन –डा0 श्री नारायण मिश्र
(6) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली ' किरणावली ' समारव्याख्योपेता व्याख्याकार – पं. श्रीकृष्णवल्लभाचार्य चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी –
(7) भारतीय दर्शन की रूपरेखा – प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा , मोतीलाल बनारसीदास)
(8)भारतीय दर्शन – डॉ 0 उमेश मिश्र उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2010–2011
प्रश्न पत्र कोड संख्या 303 वर्ग ब
प्रश्न पत्र – III वेदान्त दर्शन

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1.ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : प्रथम अध्याय , प्रथम पाद के 1–4 सूत्र (चतुःसूत्री) ।

2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : द्वितीय अध्याय ,द्वितीय पाद

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पॉच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डो में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ –

प्रथम इकाई – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य , प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 1–2 सूत्र
द्वितीय इकाई – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य , प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 3–4 सूत्र
तृतीय इकाई – ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय ,द्वितीयपाद की 1–23 सूत्र
चतुर्थ इकाई – ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद की 24 – 45 सूत्र
पंचम इकाई – ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्त्व तथा वेदान्त दर्शन का सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10अंक**

प्रथमखण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

द्वितीय खण्ड ' ब ' (व्याख्यात्मक भाग) **35अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं । इनका पाठ्यकम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

(क) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के 1–2 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में एक व्याख्येय अंश देकर व्याख्या शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ख) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के 3–4 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में एक व्याख्येय अंश देकर व्याख्या शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ग) ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के 1–23 सूत्र में से किसी एक सूत्र की **संस्कृत** व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(घ) ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के 24–45 सूत्र में से किसी एक सूत्र की व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी । **7 अंक**

(ड.) ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्तव तथा वेदान्त दर्शन का सामान्य परिचय मे से दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **7 अंक**

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) **30 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेगे इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा । इनके लिए 15–15 अंक निर्धारित है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**
उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथम पाद के 1–4 सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बद्ध एक प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जायेगा ।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार स्वरूप होंगे – **15 अंक**

ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय , द्वितीयपाद के सूत्रों में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्द्ध एक प्रश्न शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछा जायेगा । इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होगें – शांकरवेदान्त की दृष्टि से सांख्य , कणाद, बौद्ध , वैशेषिक , विज्ञानवादी , आर्हत, तटस्थ ईश्वर कारणवादी मतों का खण्डन

सहायक पुस्तके :–

(1) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या . स्वामी योगीन्द्रानन्द

(2) अर्थसंग्रह , लौगाक्षीभास्कर

(3) ब्रह्म शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) –व्या. आचार्य विश्वेश्वर

(4) मीमांसा दर्शन – वाचस्पति उपाध्याय

(5) भारतीयद दर्शन – सम्पा . डा 0 एन . के . देवराज